P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-8* April- 2019
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

PC-PNDT एक्ट के प्रति जागरुकता एवं दृष्टिकोण : ग्रामीण एवं शहरी महिलाओं का एक तुलनात्मक अध्ययन (ग्रामीण एवं शहरी महिलाओं के विशेष सन्दर्भ में)

सुशीला
असिस्टेंट प्रोफेसर,
समाजशास्त्र विभाग,
कु॰ मायावती राजकीय महिला स्नातक महाविद्यालय,
बादलपुर

आरती
शोध छात्रा,
समाजशास्त्र विभाग,
कु॰ मायावती राजकीय महिला स्नातक महाविद्यालय,
बादलपुर

सारांश

भारतीय धार्मिक ग्रन्थ महिलाओं का कितना भी गुणगान करें, कितनी बार भी यह कहें कि महिलाओं को भारतीय समाज में उच्च सामाजिक स्थान प्राप्त था परन्तु यह सब कल्पना मात्र लगता है, सत्यता तो यह है कि भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति हमेशा से ही दोयम दर्जे की रही है। जनगणना 2011 के अनुसार भारत में लिंगानुपात 1000 पुरूषों के पीछे केवल 940 महिलाऐं हैं जिसका एक कारण कन्या भ्रूण हत्या है यह एक संवेदनशील विषय है जो महिलाओं के प्रजनन अधिकारों पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। इस जघन्य अपराध की रोकथाम हेतु गर्भाधान और प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम, 1994 भारतीय संसद द्वारा पारित किया गया एक संघीय कानून है जिसके द्वारा प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण पर प्रतिबंन्ध लगा दिया गया है। प्री नेटल डायगनोस्टिक टेक्निक PC-PNDT एक्ट 1996, के तहत जन्म से पूर्व लिंग की जाँच पर प्रतिबंन्ध लगा दिया गया है, यदि कोई PC-PNDT एक्ट का उल्लंघन करते हुए पाया जाता है तो ऐसा करने वाले पत्नी अथवा पति, डॉक्टर, लैब कर्मी को तीन से पाँच साल की सजा एवं दस से पचास हजार रुपये जुर्माने का प्रावधान है। PC-PNDT एक्ट में लिंग चयन पर कडा प्रतिबंध लगाने हेतु 2003 में संशोधन किया गया।

मुख्य शब्द : PC-PNDT एक्ट, लिंग निर्धारण, लिंग चयन तकनीक अधिनियम।

प्रस्तावना

कन्या भ्रूण हत्या की शुरुआत 1990 में अल्ट्रासाउंड तकनीक के कारण हुई, जिसका प्रयोग गर्भ में शिशु के स्वास्थ्य की जाँच के लिए किया गया था परन्तु इसका दुरुपयोग प्रसव पूर्व लिंग की जाँच के लिये किया जाने लगा। यह प्रवृत्ति अधिकांशतः भारतीय परिवारों में अधिक है जो अपराध की ओर ले जाती है। कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाने हेतु बनाये गये नियमों में विरोधाभास एवं संबंधित विभागों तथा सरकार के सचेत न होने के कारण लिंग परीक्षण की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है, इस पर अंकुश लगाने हेतु PC-PNDT अधिनियम के तहत पंजीकृत आनुवांशिक सलाह केन्द्रों, आनुवांशिक प्रयोगशालाओं, आनुवांशिक क्लीनिकों और इमेजिंग सेन्टरों में गर्भधारण और प्रसवपूर्व निदान तकनीकों का उपयोग आनुवांशिक विकारों की पहचान के लिए किया जा सकता है।

अध्ययन के उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन के निम्नलिखित उद्देश्य हैः–

1. महिला उत्तरदाताओं की सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि को ज्ञात करना।
2. महिलाओं में PC-PNDT एक्ट के प्रति जागरूकता के स्तर को ज्ञात करना।
3. महिलाओं में PC-PNDT एक्ट के प्रति विचारों को ज्ञात करना।
4. महिलाओं में PC-PNDT एक्ट के प्रति जागरूकता अभियानों व योजनाओं काअध्ययन करना।
5. PC-PNDT एक्ट के दुरूपयोग के कारणों को ज्ञात करना।
6. PC-PNDT एक्ट का महिलाओं पर प्रभाव व परिणामों को ज्ञात करना।

उत्तरदाताओं की सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि को ज्ञात करने हेतु निम्नलिखित चरों जैसे- आयु, जाति, वर्ग, शिक्षा, धर्म, परिवार का प्रकार, कार्यक्षेत्र एवं निवास स्थान आदि का चयन किया गया है। मुख्यतः ग्रामीण–नगरीय विभन्नताओं के आधार पर महिलाओं में PC-PNDT एक्ट के प्रति जागरूकता, प्रभाव व परिणामों के विषयों में अध्ययन किया गया है।

समस्या का स्पष्टीकरण

PC-PNDT एक्ट को लिंग निर्धारण हेतु प्रसव पूर्व निदान तकनीक जो कन्या भ्रूण हत्या के लिए उत्तरदायी था पर अंकुश लगाने हेतु बनाया गया परन्तु इसे उचित प्रकार से कियान्वित ना करने के कारण भारत में कन्या भ्रूण हत्या जैसे जघन्य अपराध की दर में बढोत्तरी हुई है जिसका मुख्य कारण नई तकनीकों व विकसित चिकित्सा पद्धतियों तक आसान पहुँच है। मुरली मोहन पटनायक व गौरीशंकर केजरीवाल (2012) के अनुसार भारत में पुत्र की चाह कन्या शिशु हत्या के लिए उत्तरदायी है। भारत सरकार द्वारा बनाये गये PC-PNDT एक्ट के बाद भी लिंग निर्धारण एवं कन्या भ्रूण हत्या के विरूद्ध अनेक मामले दर्ज किये गये हैं। अनीता भक्तवनी (2012) के अनुसार रेडियोलॉजिस्ट या सोनोलॉजिस्ट एवं गायनकोलॉजिस्ट के माध्यम से कन्या भ्रूण हत्या पर अंकुश लगाया जाता है यद्यपि इसके लिये इस अधिनियम की अनिवार्य मांग को पूरा किया जाये। अतः महिला सशक्तिकरण से सम्बंधित अनेक विषयों जैसे महिलाओं की निर्णायक भूमिका, महिलाओं का शोषण, भेदभाव एवं पारिवारिक संरचना इत्यादि विषयों पर अनेक अध्ययन हुए हैं अन्य अध्ययन परिवार में महिलाओं की निर्णायक भूमिका जैसे– बच्चों की देखभाल, बच्चों की शिक्षा व अन्य घरेलू क्रियाओं में निर्णय लेने से सम्बंधित है। परन्तु शिशु का लिंग निर्धारण, गर्भपात संबंधी अधिनियमों के प्रति महिलाओं की जागरूकता महिला सशक्तिकरण की वर्तमान स्थिति को महत्वपूर्ण दिशा प्रदान करेगी।

साहित्यावलोकन

निम्नलिखित लिंग परिक्षण, गर्भधारण एवं गर्भपात सम्बंधी कुछ चयनित अर्न्तराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय अध्ययन इस प्रकार हैं:-

अरचक रॉय एवं रामी विश्वास (2017) नेअपने अध्ययन पश्चिम बंगाल की महिलाओं पर कर निष्कर्ष निकाला कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में लिंग चयन व पुत्र की चाह के कारण कन्या भ्रूण हत्या पर अंकुश लगाने हेतु बनाये गये PC-PNDT एक्टके प्रति केवल 18.10% महिलायें जागरूक थीं। सोनल देशपांडे, प्रगति जी राठौर, शरद बी मनकर एवं उदय डब्लू नारालवर (2016) नेअपना अध्ययन उन महिलाओं पर किया जो दो से अधिक चाहती थीं, उन्होने निष्कर्ष निकाला कि PC-PNDT एक्ट के प्रति केवल 43% महिलाएं इस अधिनियम को और अधिक कठोरता से लागू करने के पक्ष में थीं, 35.78% महिलाऐं इस अधिनियम से संतुष्ट थीं केवल 8.26%महिलाऐं इस अधिनियम के ठीक से कार्यान्वित न होने का कारण कुछ हद तक चिकित्सक को मानती हैं। सुषमा शर्मा (2016) ने अपने अध्ययन में निष्कर्ष निकाला कि स्त्री–पुरूष असमानता महिलाओं के प्रति अपराधों को बढावा देती है, न्याय तंत्र द्वारा PC-PNDT एक्ट को प्रभावी रुप से लागू करने हेतू अनेक दिशा निर्देश दिये गये हैं परन्तु यह सन्तोषजनक नहीं हैं। विजयन शर्मिला, टी. अरुण बाबू व देवेन्दू सिंह (2016) नेमुम्बई (महाराष्ट्र) तथा बरेली (उत्तर प्रदेश) में किये गये अध्ययन में निष्कर्ष निकाला कि अधिकांश महिलाऐं (82.03%) प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण के प्रति जागरुक थीं। जिनकी जानकारी का महत्वपूर्ण स्त्रोत मीडिया था। महेन्द्रू खत्री, रेखा आचार्य एवं गौरव शर्मा (2012) ने पी. बी. एम. ग्रुप व एस. पी. मेडिकल कॉलिज, बीकानेर से जुडी महिलाओं पर अध्ययनकरनिष्कर्ष निकाला कि PC-PNDT अधिनियम के प्रति 100 महिलाओं में से 64.9% महिलाओं का सकारात्मक रुख एवं 35.1% महिलाओं का नकारात्मक रुख था तथा कुल 100 महिलाओं में से केवल 52.4% महिलायें इस अधिनियम के प्रति जागरुक थीं जबकि 47.6% महिलायें अनभिज्ञ थीं।

अध्ययन पद्धति

प्रस्तुत अध्ययन के अर्न्तगत गाजियाबाद जनपद के शहरी क्षेत्र शास्त्री नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र मिशलगढी को अध्ययन क्षेत्र हेतु चयनित किया गया है। अध्ययन के अर्न्तगत यादृच्छिक उद्देश्यपूर्ण निदर्शन प्रणाली का प्रयोग करते हुए प्रत्येक क्षेत्र से (ग्रामीण 50 एवं शहरी 50) कुल 100 महिला उत्तरदाताओं का चयन किया है। अध्ययन के अर्न्तगत आंकडे एकत्रित करने हेतु प्राथमिक सामग्री के अर्न्तगत वैयक्तिक अध्ययन पद्धति एवं साक्षात्कार अनुसूची का प्रयोग करते हुए ऑकडो को एकत्रित किया गया है। पारिवारिक जीवन के पक्षों में निर्णायक भूमिका एवं सामाजिक पृष्ठभूमि कारकों के मध्य सम्बंधों का विश्लेषण किया गया है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध पत्र में अध्ययन के अर्न्तगत कुल 100 महिला उत्तरदाताओं से प्राप्त तथ्यों का विश्लेषण निम्नवत् है:-

अध्ययन के उद्देश्यों के अनुक्रम के अनुसार निष्कर्षों को निम्न उपखण्डों में वर्गीकृत कर प्रस्तुत किया गया है:–

1. महिला उत्तरदाताओं की सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि।
2. महिलाओं में PC-PNDT एक्ट के प्रति जागरूकता का तुलनात्मक विश्लेषण।
3. महिलाओं में PC-PNDT एक्ट के प्रति जागरूकता के प्राप्ति स्त्रोत का तुलनात्मक विश्लेषण।
4. महिलाओं द्वारा अल्ट्रासाउन्ड तकनीक के उपयोग के अध्ययन का तुलनात्मक विश्लेषण।
5. महिलाओं द्वारा अल्ट्रासाउन्ड तकनीक अपनाने हेतु चयनित अस्पताल का तुलनात्मक विश्लेषण।
6. महिलाओं द्वारा अल्ट्रासाउन्ड तकनीक अपनाने में निर्णायक भूमिका का तुलनात्मक विश्लेषण।
7. महिला उत्तरदाताओं द्वारा अल्ट्रासाउन्ड तकनीक अपनाने से पहले रजिस्ट्रेशन प्रपत्र भरवाये जाने का तुलनात्मक विश्लेषण।
8. महिला उत्तरदाताओं को अल्ट्रासाउन्ड हेतु चयनित अस्पताल में कन्या भ्रूण हत्या एवं PC-PNDT एक्ट इत्यादि से संबन्धित जानकारी प्रदान किये जाने का तुलनात्मक विश्लेषण।
9. महिलाओं द्वारा अल्ट्रासाउन्ड तकनीक अपनाने से पहले क्लीनिक रजिस्ट्रेशनकी जाँच का तुलनात्मक विश्लेषण।

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-8* April- 2019
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

10. महिलाओं को अल्ट्रासाउन्ड तकनीक अपनाते समय रजिस्ट्रेशन नम्बर प्रदान किये जाने का तुलनात्मक विश्लेषण।
11. महिलाओं में PC-PNDT एक्ट में संसोधन के प्रति विचारों का अध्ययन करना।
12. महिलाओं में PC-PNDT एक्ट के प्रति जागरुकता अभियानों व योजनाओं के अध्ययन का तुलनात्मक विश्लेषण।
13. महिलाओं में PC-PNDT एक्ट के उल्लंघन करने पर मिलने वाले दण्ड प्रावधान केप्रति जागरुकता का तुलनात्मक विश्लेषण।

सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि के आधार पर प्राप्त निष्कर्ष

महिलाओं की सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि में कुल आठ चरों जैसे– आयु, जाति, वर्ग, शिक्षा, धर्म, परिवार, कार्यक्षेत्र एवं निवास स्थान से लिया गया है। उपरोक्त वर्णित चरों पर आधारित प्राप्त निष्कर्ष इस प्रकार हैं:-

सारणी –1

महिला उत्तरदाताओं की सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि

क्रम सं०	चर	समूह विभाजन	ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या	शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या
1.	आयु	20-25 25-30 30-35 35-40	15 12 14 9	11 14 17 8
2.	जाति (सामाजिक स्तरीकरण के अनुसार)	उच्च मध्यम निम्न	16 21 13	17 22 11
3.	वर्ग (मासिक आय के आधार पर)	उच्च मध्यम निम्न	10 28 12	16 26 8
4.	शिक्षा	10–12वा स्नातक स्नातकोत्तर तकनीकी शिक्षा	16 20 11 3	7 18 19 6
5.	धर्म	हिन्दू मुस्लिम अन्य	45 4 1	41 7 2
6.	परिवार	संयुक्त एकाकी	42 8	29 21
7.	कार्य स्थिति	कार्यशील गैर–कार्यशील	12 38	26 24

1. आयु के आधार पर प्राप्त आँकडों में पाया गया कि कुल 100 महिला उत्तरदाताओं में से 20–25 आयु वर्ग की कुल 26%महिला उत्तरदाताओं में से 15%ग्रामीण क्षेत्र एवं 11% शहरी क्षेत्र से संम्बधित हैं, 25–30 आयु वर्ग की कुल 26% महिला उत्तरदाताओं में से 12% ग्रामीण क्षेत्रएवं 14% शहरी क्षेत्र से संम्बधित हैं। 30–35 आयु वर्ग की कुल 30% महिला उत्तरदाताओं में से 14% ग्रामीण क्षेत्र एवं 7% शहरी क्षेत्र से संम्बधित हैं। 35-40 आयु वर्ग की कुल 17% महिला उत्तरदाताओं में से 9% ग्रामीण क्षेत्र एवं 8% शहरी क्षेत्र से संम्बधित हैं।
2. जाति के आधार पर प्राप्त आँकडों में पाया गया कि कुल 100 महिला उत्तरदाताओं में से उच्च जाति की कुल 33% महिला उत्तरदाताओं में से 16% ग्रामीण क्षेत्र एवं 17% शहरी क्षेत्र से संम्बधित हैं, मध्यम जाति की कुल 43% महिला उत्तरदाताओं में से 21% ग्रामीण क्षेत्र एवं 22% शहरी क्षेत्र से संम्बधित हैं। निम्न जाति की कुल 24% महिला उत्तरदाताओं में से 13% ग्रामीण क्षेत्र एवं 11% शहरी क्षेत्र से संम्बधित हैं।
3. वर्ग के आधार पर प्राप्त आँकडों में पाया गया कि कुल 100 महिलाउत्तरदाताओं में से उच्च वर्ग की कुल 26% महिला उत्तरदाताओं में से 10% ग्रामीण क्षेत्र एवं 16% शहरी क्षेत्र से सम्बंधित हैं,मध्यम वर्ग की कुल 54%महिला उत्तरदाताओं में से 28% ग्रामीण क्षेत्र एवं 26% शहरी क्षेत्र से सम्बंधित हैं, निम्न वर्ग से सम्बंधित कुल 20% महिला उत्तरदाताओं में से 12% ग्रामीण क्षेत्र एवं 8% शहरी क्षेत्र से सम्बंधित हैं।
4. शिक्षा के आधार पर प्राप्त आँकडों में पाया गया कि कुल 100 महिला उत्तरदाताओं में से 10–12 वीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त कुल 26% महिलाउत्तरदाताओं में से 16% ग्रामीण क्षेत्र एवं 7% शहरी क्षेत्र से सम्बंधित हैं, स्नातक तक शिक्षा प्राप्त कुल 38% महिला उत्तरदाताओं में से 20% ग्रामीण क्षेत्रएवं 18% शहरी क्षेत्र से सम्बंधित हैं, स्नातकोत्तर तक शिक्षा प्राप्त

कुल 30% महिलाउत्तरदाताओं में से 11% ग्रामीण क्षेत्र एवं 19% शहरी क्षेत्र से सम्बंधित हैं,तकनीकी शिक्षा प्राप्त कुल 9% महिला उत्तरदाताओं में से 3% ग्रामीण क्षेत्र एवं 6% शहरी क्षेत्र से सम्बंधित हैं।

5. धर्म के आधार पर प्राप्त आँकडों में पाया गया कि कुल 100 महिला उत्तरदाताओं में से हिन्दू धर्म की कुल 86%महिलाउत्तरदाताओं में से 45% ग्रामीण क्षेत्र एवं 41% शहरी क्षेत्र से सम्बंधित हैं, मुस्लिम धर्म से सम्बंधित कुल 11% महिला उत्तरदाताओं में से 4% ग्रामीण क्षेत्र एवं 7% शहरी क्षेत्र से सम्बंधित हैं, अन्य धर्म से संम्बंधित कुल 3% महिलाउत्तरदाताओं में से 1% ग्रामीण क्षेत्र एवं 2% शहरी क्षेत्र से सम्बंधित हैं,
6. परिवार के आधार पर प्राप्त आँकडों में पाया गया कि कुल 100 महिला उत्तरदाताओं में से संयुक्त परिवार की कुल 71% महिला उत्तरदाताओं में से 42% ग्रामीण क्षेत्र एवं 29% शहरी क्षेत्र से सम्बंधित हैं, एकाकी परिवार से सम्बंधित कुल 29% महिला उत्तरदाताओं में से 8% ग्रामीण क्षेत्र एवं 21% शहरी क्षेत्र से सम्बंधित हैं।
7. कार्यस्थिति के आधार पर प्राप्त आँकडों में पाया गया कि कुल 100 महिला में से, 38%कार्यशील महिला उत्तरदाताओं में से 12%ग्रामीणक्षेत्र एवं 26% शहरी क्षेत्र से सम्बंधित हैं, 62%गैर कार्यशील महिला उत्तरदाताओं में से 38%ग्रामीणक्षेत्र एवं 25% शहरी क्षेत्र से सम्बंधित हैं।

सारणी–2

महिलाओं में PC-PNDT एक्ट के प्रति जागरूकता का तुलनात्मक विश्लेषण

क्रम सं०	चर	समूह विभाजन	ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं में एक्ट के प्रति जागरूकता		शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं में एक्ट के प्रति जागरूकता	
			हाँ	नहीं	हाँ	नहीं
1.	आयु	20-25 25-30 30-35 35-40	3 5 1 2	12 7 13 7	6 8 4 3	5 6 13 5
2.	जाति (सामाजिक स्तरीकरण के अनुसार)	उच्च मध्यम निम्न	3 6 2	13 15 11	7 9 5	10 13 6
3.	वर्ग (मासिक आय के आधार पर)	उच्च मध्यम निम्न	3 7 1	7 21 11	4 15 2	12 10 6
4.	शिक्षा	10–12वा स्नातक स्नातकोत्तर तकनीकी शिक्षा	2 3 5 1	14 17 6 2	2 6 9 4	5 12 10 2
5.	धर्म	हिन्दू मुस्लिम अन्य	9 2 -	36 2 1	17 3 1	24 4 1
6.	परिवार	संयुक्त एकाकी	8 3	34 5	5 16	24 5
7.	कार्य स्थिति	कार्यशील गैर–कार्यशील	6 5	6 33	14 7	12 17

1. आयु के आधार पर प्राप्त आँकडों में पाया गया कि कुल 100 महिला उत्तरदाताओं में से 20–25 आयु वर्ग की कुल 3% ग्रामीण क्षेत्र एवं 6% शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाता इस अधिनियम के प्रति जागरूक हैं। 25–30 आयु वर्गकी कुल महिला उत्तरदाताओं में से 5% ग्रामीण क्षेत्र एवं 8% शहरी क्षेत्र की महिलाऐं जागरूक हैं। 30-35 आयु वर्ग की महिला उत्तरदाताओं में से कुल1% महिला उत्तरदाता ग्रामीण क्षेत्रएवं 4% शहरी क्षेत्र से संम्बधित महिलाऐं जागरूक थीं। 35-40 आयु वर्ग की जागरूक महिला उत्तरदाताओं में से 2% महिलाऐं ग्रामीण क्षेत्रएवं 3% शहरी क्षेत्र से संम्बधित हैं।
2. जाति के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त हुए कि इस अधिनियम के प्रति जागरूक महिलाओं मे से अधिकांशतः मध्यम जाति (15%) से संम्बधित महिला उत्तरदाता हैंजिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या 9% एवं ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या 6% है।
3. वर्ग के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त हुए कि इस अधिनियम के प्रति जागरूक महिलाओं मे से अधिकांशतः मध्यम वर्ग (22%) की महिला उत्तरदाता

हैं जिसमें से 15% शहरी क्षेत्र एवं 7% ग्रामीण क्षेत्र से सम्बधित महिला उत्तरदाता हैं।

4. शिक्षा के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त हुए कि इस अधिनियम के प्रति जागरूक महिला उत्तरदाताओं मे से अधिकांशतः स्नातकोत्तर (14%) तक शिक्षा प्राप्त महिलाऐं हैं जिसमें से शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की कुल संख्या 9% एवं ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की कुल संख्या 5% है।
5. धर्म के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त हुए कि इस अधिनियम के प्रति जागरूक महिला उत्तरदाताओं मे से अधिकांशतः हिन्दू धर्म (26%)से सम्बंधित महिलाऐं हैं, जिसमें से शहरी क्षेत्रकी महिला उत्तरदाताओं की कुल संख्या 9% एवं ग्रामीण क्षेत्र की कुल संख्या 17% महिला उत्तरदाता हैं। मुस्लिम धर्म से सम्बंधित जागरूक कुल 5% महिला उत्तरदाताओं में से 2% ग्रामीण क्षेत्र एवं 3% शहरी क्षेत्र से सम्बंधित हैं।
6. कार्य क्षेत्र से संम्बंधित आँकडों के आधार पर पाया गया कि इस अधिनियम के प्रति जागरूक महिला उत्तरदाताओं मे से अधिकांशतः कार्य–शील महिला उत्तरदाताओं (20%)की संख्या अधिक हैजिसमें से शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या 14% ग्रामीणक्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की कुल संख्या (6%) है।

अतः उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि PC-PNDT अधिनियमके प्रति जागरूक महिला उत्तरदाता मध्यम जाति, मध्यम वर्ग एवं उच्च शिक्षा प्राप्त तथा हिन्दू धर्म, एकल परिवार व कार्यशील महिला उत्तरदाता हैं। मुस्लिम धर्म से संम्बधित केवल 5% महिला उत्तरदाता इस अधिनियम केप्रति जागरुक हैं।

आकृति–1

महिलाओं में PC-PNDT एक्ट केप्रति जागरुकता का तुलनात्मक विश्लेषण

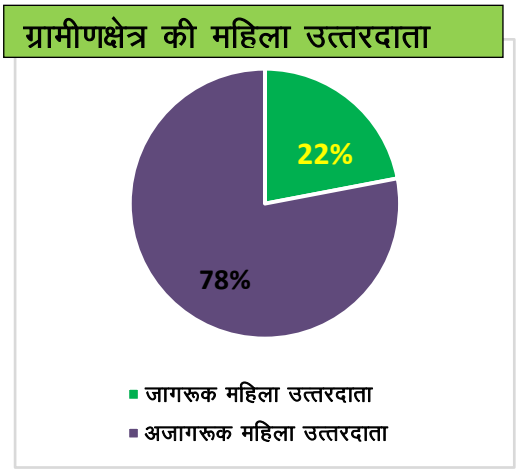

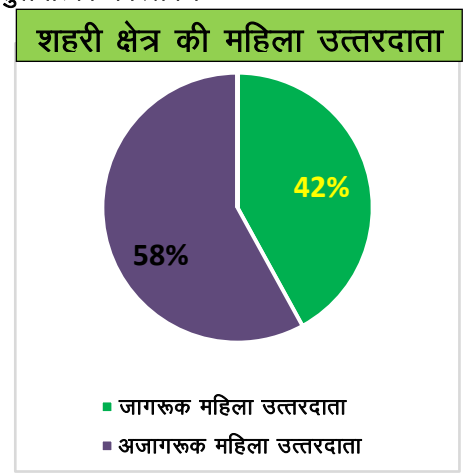

अतः उपरोक्त ग्राफ के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त होता है कि PC-PNDT एक्ट के प्रति महिलाओं में ग्रामीणक्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं में 22% महिला जागरुक तथा 78% महिला उत्तरदाता इस एक्ट के प्रति अनभिज्ञ हैं, जबकि शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं में 42% महिलाऐं जागरुक तथा 58% महिलाऐं PC-PNDT एक्ट के प्रति अनभिज्ञ हैं।

सारणी–3

महिलाओं में PC-PNDT एक्ट के प्रति जागरूकता के प्राप्ति स्त्रोत का तुलनात्मक विश्लेषण

क्रम सं०	चर	समूह विभाजन	ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या				शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या			
			समाचार पत्र	टी. वी.	विज्ञापन	अन्य	समाचार पत्र	टी. वी.	विज्ञापन	अन्य
1.	आयु	20-25 25-30 30-35 35-40	2 3 1 1	1 1 - 1	- 1 - -	- - - -	2 1 2 1	3 4 1 -	1 3 1 1	- - - 1
2.	जाति (सामाजिक स्तरीकरण के अनुसार)	उच्च मध्यम निम्न	2 4 1	1 1 1	- 1 -	- - -	2 3 1	4 2 2	1 4 1	- - 1
3.	वर्ग (मासिक आय के आधार पर)	उच्च मध्यम निम्न	1 5 1	1 2 -	1 - -	- - -	2 3 1	1 6 1	1 5 -	- 1 -

4.	शिक्षा	10–12वी स्नातक स्नातकोत्तर तकनीकी शिक्षा	2 1 3 1	- 1 2 -	- 1 - -	- - - -	1 3 1 1	1 2 3 2	- 1 4 1	- - 1 -
5.	धर्म	हिन्दू मुस्लिम अन्य	6 1 -	2 1 -	1 - -	- - -	3 2 1	8 - -	6 - -	- 1 -
6.	परिवार	संयुक्त एकाकी	5 2	2 1	1 -	- -	2 4	1 7	1 5	1 -
7.	कार्य स्थिति	कार्यशील गैर–कार्यशील	4 3	1 2	1 -	- -	4 2	5 3	4 2	1 -

1. आयु के आधार पर प्राप्त आँकडों में पाया गया कि महिलाओं में PC-PNDT एक्ट के प्रति जागरुकता के प्राप्ति स्त्रोत में अधिकांशतः 25-30 आयु वर्ग की महिला उत्तरदाताओं (5%) की जानकारी का स्रोत टी. वी. है शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (4%) की संख्या ग्रामीण क्षेत्रकी महिला उत्तरदाताओं (1%) संख्या की अपेक्षा अधिक है।
2. जाति के आधार पर प्राप्त आंकडों में पाया गया कि अधिकांशतः मध्यम जातिकीमहिला उत्तरदाताओं (7%) की जानकारी का प्राप्ति स्त्रोत समाचार पत्र है जिसमें शहरी क्षेत्र कीमहिला उत्तरदाताओंकी संख्या(3%)ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओंकी अपेक्षाकृत कम है।
3. वर्ग के आधार के पर निष्कर्ष प्राप्त होता है कि अधिकांशतः मध्यम वर्गकी महिला उत्तरदाताओं (8%) की जानकारी का स्त्रोत समाचार पत्र है जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (3%) की संख्या ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (5%) की अपेक्षा कम है।
4. शिक्षा के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त होता है कि अधिकांशतः स्नातकोत्तर (5%) की जानकारी का प्राप्ति का स्त्रोत टेलीविजन है जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (3%) की संख्या ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (2%) की अपेक्षा कम है।
5. धर्म के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त होता है कि हिन्दू धर्म की अधिकांश महिला उत्तरदाताओं (10%) की जानकारी का प्राप्ति का स्त्रोत टेलीविजन है जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (8%) की संख्या ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (2%) की अपेक्षा अधिक है।
6. परिवार के आधार पर प्राप्त आँकडों में पाया गया कि संयुक्त परिवार कीअधिकांश महिला उत्तरदाताओं (7%) की जानकारी का प्राप्ति का स्त्रोत समाचार पत्र है जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं(2%)की संख्याग्रामीण क्षेत्र की महिलाउत्तरदाताओं(5%)की अपेक्षा कम है।
7. कार्यस्थिति के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त होता है कि अधिकांशतः कार्यशील महिलाओं (6%) की जानकारी का प्राप्ति का स्त्रोत टेलीविजन है जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (5%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (1%) की अपेक्षा अधिक है।

आकृति–2

महिलाओं में PC-PNDT एक्ट के प्रति जागरूकता के प्राप्ति स्त्रोत का तुलनात्मक विश्लेषण

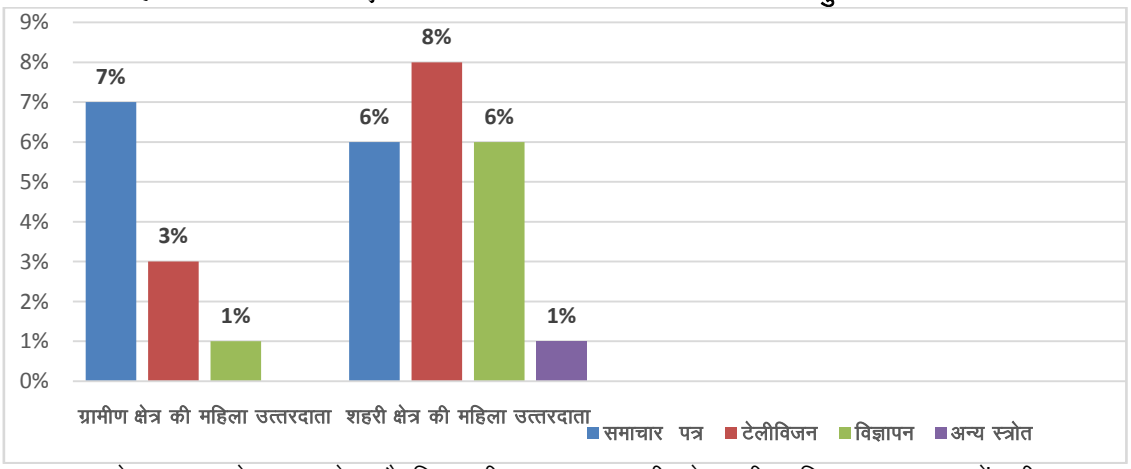

अतः उपरोक्त ग्राफ से स्पष्ट होता है कि ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की जानकारी का प्राप्ति का स्त्रोत समाचार पत्र (7%) की सर्वाधिक भूमिका हैजबकि शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की जानकारी का महत्वपूर्ण स्त्रोत टेलीविजन (8%) है।

महिलाओं द्वारा अल्ट्रासांउन्ड तकनीक के उपयोग केअध्ययन केतुलनात्मक विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्ष

1. आयु के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि लगभग सभी आयु वर्ग कीमहिला उत्तरदाताओं ने अल्ट्रासाउंड तकनीक का प्रयोग किया है जिसमें अधिकांशतः30–35 आयु वर्ग की महिला उत्तरदाता (29%) सर्वाधिक है जिसमें से शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाता(17%) ग्रामीण क्षेत्र की महिलाउत्तरदाताओं (12%) से अधिक है।
2. जाति के आधार पर प्राप्त आंकडों में पाया गया कि अधिकांशतः मध्यम जातिकी महिला उत्तरदाताओं (40%) ने अल्ट्रासाउंड तकनीक को अपनाया है जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (21%) की संख्याग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (19%) से अधिक है।
3. वर्ग के आधार के पर प्राप्त आंकडों में पाया गया कि अधिकांशतः मध्यम वर्गकी कुल 53% महिला उत्तरदाताओं ने अल्ट्रासाउंड तकनीक को अपनाया है जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (26%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (27%) से कम है।
4. शिक्षा के आधार पर प्राप्त आंकडों के आधार पर पाया गया कि अधिकांशतः स्नातकतक शिक्षा प्राप्त कुल 36% महिलाओं ने अल्ट्रासाउंड तकनीक को अपनाया है जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (17%) की संख्याग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (19%) की अपेक्षा कम है।
5. धर्म के आधार पर प्राप्त आंकडों के आधार पर पाया गया कि अधिकांशतः स्नातक हिन्दु धर्म की कुल 82% महिला उत्तरदाताओं ने अल्ट्रासाउंड तकनीक को अपनाया है जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (40%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (42%) की अपेक्षा कम है। मुस्लिम धर्म की कुल 9% महिला उत्तरदाताओं ने अल्ट्रासाउंड तकनीक को अपनाया है जिसमें शहरीक्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (6%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (3%) की अपेक्षा अधिक है।
6. परिवार के आधार पर प्राप्त आँकडों में पाया गया कि अधिकांशतः कुल 67% संयुक्त परिवार की महिला उत्तरदाताओं ने अल्ट्रासाउंड तकनीक को अपनाया है जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं(28%) की संख्या ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (39%) की अपेक्षा कम है।
7. कार्यस्थिति के आधार पर प्राप्त आँकडों में पाया गया कि अधिकांशतः गैर कार्यशील कुल 38% महिला उत्तरदाता हैं जिसमें से शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (22%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (35%) की अपेक्षा कम है।

अतः स्पष्ट होता है कि अल्ट्रासाउंड तकनीक को अपनानेवाली महिला उत्तरदाता मध्यम जाति, मध्यम वर्ग एवं उच्च शिक्षा प्राप्त, संयुक्त परिवार, गैर कार्यशील महिला उत्तरदाता हैं।अतः निष्कर्षतः अल्ट्रासाउंड तकनीक को अपनाने वाली ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाता92% हैं जबकि 8% ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं ने इस तकनीक को नहीं अपनाया है जबकि शहरी क्षेत्र की 98% महिला उत्तरदाताओं ने अल्ट्रासाउंड तकनीक को अपनाया है जबकि केवल 2% महिला उत्तरदाताओं ने इस तकनीक को नहीं अपनाया है।

महिलाओं द्वारा अल्ट्रासाउन्ड तकनीक अपनाने हेतुचयनित अस्पताल के तुलनात्मक विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्ष

1. आयु के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि महिला उत्तरदाताओंद्वारा अल्ट्रासाउंड तकनीक हेतु अधिकांशतः 30–35 आयु वर्ग की कुल (15%) महिला उत्तरदाताओं ने सरकारी अस्पताल का चुनाव किया जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (7%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (8%) की संख्या कम है जबकि 20–25 आयु वर्गएवं 30–35 आयु वर्ग की महिलाओं ने क्रमशः 14% एवं 14% महिलाओं ने निजी अस्पताल का चुनाव किया जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (क्रमशः 8% एवं 10%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (क्रमशः 6% एवं 4%) की अपेक्षा कम है।
2. जाति के आधार पर प्राप्त आंकडों में पाया गया कि सरकारी अस्पताल का चुनाव करने वाली कुल 21% महिला उत्तरदाता मध्यम जाति से संम्बंधित है जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (8%) की संख्याग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (13%) की अपेक्षा कम है। निजी अस्पताल का चुनाव करने वाली अधिकांशतः मध्यम जाति की कुल 19% महिला उत्तरदाता हैं जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाता 13% एवं ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (6%) की अपेक्षा अधिक है।
3. वर्ग के आधार पर प्राप्त आंकडों में पाया गया कि सरकारी अस्पताल का चुनाव करने वाली अधिकांशतः मध्यम वर्ग की कुल 29% महिला उत्तरदाताओं में शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (10%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (19%) की अपेक्षा कम है जबकि निजी अस्पताल का चुनाव करने वाली मध्यम वर्ग की 23% महिला उत्तरदाताओं में शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (15%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (8%) की अपेक्षा अधिक है।
4. धर्म के आधार पर प्राप्त आंकडों में पाया गया कि सरकारी अस्पताल का चुनाव करने वाली अधिकांशतः हिन्दु धर्म की कुल 51% महिला उत्तरदाताओं में से शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (24%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (27%) की अपेक्षा कम है, जबकि निजी अस्पताल का चुनाव करने वाली अधिकांशतः कुल 42% महिला उत्तरदाता हिन्दु धर्म से संम्बधित हैं जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (26%) की संख्याग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (16%) की अपेक्षा अधिक है।
5. परिवारके आधार पर प्राप्त आंकडों में पाया गया कि सरकारी अस्पताल का चुनाव करने वाली अधिकांशतः

41% महिला उत्तरदाता संयुक्त परिवार से संम्बधित हैं जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (15%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं(26%) की अपेक्षा कम है, जबकि निजी अस्पताल का चुनाव करने वाली अधिकांशतः संयुक्त परिवार की कुल 26% महिला संयुक्त परिवार से संम्बधित हैं जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (13%) की संख्याग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (13%) केसमान है।

6. कार्यस्थितिके आधार पर प्राप्त आँकडों में पाया गया कि सरकारी अस्पताल का चुनाव करने वाली अधिकांशतः कुल 35% महिला उत्तरदाता गैर कार्यशील हैं, जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (12%) की संख्याग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (23%) की अपेक्षा कम है जबकि निजी अस्पताल का चुनाव करने वाली अधिकांशतः कार्यशील कुल 24% महिला उत्तरदाताओं में शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (19%) की संख्या ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (5%) की अपेक्षा अधिक है।

अतः उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि महिला उत्तरदाताओं द्वारा अल्ट्रासाउंड तकनीक को अपनाने हेतु चयनित अस्पताल में से सरकारी अस्पतालका चुनाव करने वाली अधिकांश महिलायें मध्यम जाति, मध्यम वर्ग, हिन्दू धर्म, संयुक्त परिवार व गैर कार्यशील से संम्बधित हैं जबकि निजी अस्पताल का चुनाव करने वाली अधिकांश महिला उत्तरदाता मध्यम जाति, मध्यम वर्ग, हिन्दू धर्म, संयुक्त परिवार व कार्यशील से संम्बधित हैं।अतः निष्कर्षतःग्रामीण क्षेत्र की कुल 50 महिला उत्तरदाताओं में से 58% महिला उत्तरदाताओं ने सरकारी अस्पताल, 34% ने निजी अस्पताल का चयन किया जबकि केवल 6% महिला उत्तरदाताओं ने अल्ट्रासाउंड तकनीक को नहीं अपनाया,शहरी क्षेत्र की 50 महिला उत्तरदाताओं में से 38% महिला उत्तरदाताओं ने सरकारी अस्पताल, 58% ने निजी अस्पताल, जबकि केवल 4% महिला उत्तरदाताओं ने अल्ट्रासाउंड तकनीक को नहीं अपनाया।

महिलाओं द्वारा अल्ट्रासाउन्ड तकनीक अपनाने में निर्णायक भूमिका के तुलनात्मक विश्लेषण पर आधारित प्राप्त निष्कर्ष

1. आयु के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त होता है कि महिलाओं द्वारा अल्ट्रासाउंड तकनीक अपनाने की निर्णायक भूमिका में अधिकांशतः 30–35 आयु वर्ग की महिलाउत्तरदाताओं (11%) ने पारिवारिक सदस्यों की सलाह पर अल्ट्रासाउंड तकनीक को अपनाया जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (6%) की संख्याग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (5%) की अपेक्षा अधिक है।
2. जाति के आधार पर प्राप्त आंकडों में पाया गया कि अधिकांशतः मध्यम जाति की महिला उत्तरदाताओं (14%) ने स्वयं अल्ट्रासाउंड तकनीक को अपनाया जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (9%) की संख्याग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (5%) की अपेक्षा अधिक है।
3. वर्ग के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि अधिकांशतः मध्यम वर्ग की महिला उत्तरदाताओं (23%) ने पारिवारिक सदस्यों की सलाह पर अल्ट्रासाउंड तकनीक को अपनाया जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (12%) की संख्याग्रामीण क्षेत्र कीमहिलाउत्तरदाताओं (11%) की अपेक्षा अधिक है।
4. शिक्षा के आधार पर प्राप्त आंकडों में प्राप्त हुआ कि अधिकांशतः स्नातक तक शिक्षा प्राप्त महिला उत्तरदाताओं (13%) महिलाओं ने स्वयं इस तकनीक को अपनाने का निणर्य लिया जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (18%) की संख्याग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (5%) कीअपेक्षा अधिक है।
5. धर्म के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त हुआ किअधिकांशतः हिन्दू धर्म की महिला उत्तरदाताओं (30%) ने पारिवारिक सदस्यों की सहमति से इस तकनीक को अपनाया जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (14%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (16%) की अपेक्षा कम है।
6. परिवार के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि अधिकांशतः संयुक्त परिवार की महिला उत्तरदाताओं (28%) ने पारिवारिक सदस्यों की सहमति से इस तकनीक को अपनाया जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (12%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (16%) की अपेक्षा कम है।
7. कार्यस्थिति के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि अधिकांशतः गैर कार्यशीलमहिला उत्तरदाताओं (22%) ने पारिवारिक सदस्यों की सहमति से अल्ट्रासाउंड तकनीक को अपनाया जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (9%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (13%) की अपेक्षा कम है।

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-8* April- 2019
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

आकृति–3
महिलाओं द्वारा अल्ट्रासाउन्ड तकनीक अपनाने मेंनिर्णायक भूमिका का तुलनात्मक विश्लेषण

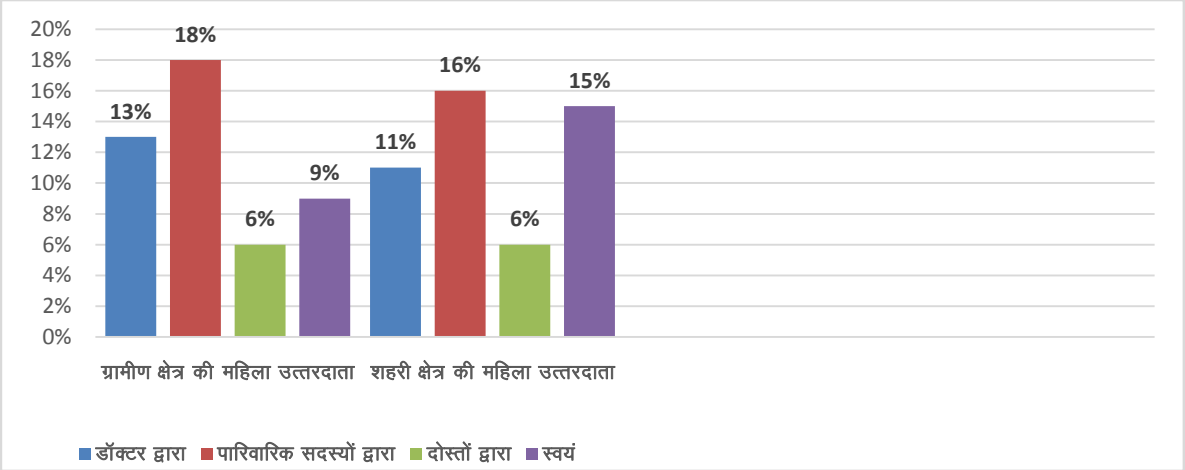

अतः उपरोक्त ग्राफ से निष्कर्ष प्राप्त होता है कि महिला उत्तरदाताओं द्वारा अल्ट्रासाउंड तकनीक को अपनाने में निर्णायक भूमिका में शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (15%) इस तकनीक को अपनाने में स्वयं सक्षम हैं जबकि ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (9%) शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की अपेक्षा (स्वयं निर्णय लेने में) कम है।

अल्ट्रासाउंड तकनीक अपनाने से पूर्व महिला उत्तरदाताओं द्वारा रजिस्ट्रेशन प्रपत्र भरवाये जाने केतुलनात्मक विश्लेषण के आधार पर प्राप्त निष्कर्ष

1. आयु के आधार पर निष्कर्षप्राप्त होता है कि महिला उत्तरदाताओं द्वारा अल्ट्रासाउंड तकनीक अपनाने से पहले अधिकांशतः 25–30 आयु वर्ग की 22% महिलाओं द्वारा प्रपत्र भरा गया था जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (12%) की संख्या ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (10%) से अधिक है।
2. जाति के आधार पर प्राप्त आंकडों में पाया गया कि अधिकांशतः मध्यम जाति की कुल 34% महिला उत्तरदाताओं द्वारा प्रपत्र भरा गया था जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (19%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (15%) से अधिक है।
3. वर्ग के आधार के पर प्राप्त आंकडों में पाया गया कि अधिकांशतः मध्यम वर्ग की कुल 46% महिला उत्तरदाताओं द्वारा प्रपत्र भरा गया था जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (24%) की संख्या ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (22%) से अधिक है।
4. शिक्षा के आधार पर प्राप्त आंकडों के आधार पर पाया गया कि अधिकांशतः स्नातक तक शिक्षा प्राप्त कुल 31% महिला उत्तरदाताओं द्वारा प्रपत्र भरा गया था जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (16%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (15%) की अपेक्षा अधिक है।
5. धर्म के आधार पर प्राप्त आंकडों में पाया गया कि अधिकांशतः हिन्दू धर्म की कुल 63% महिला उत्तरदाताओं द्वारा प्रपत्र भरा गया था जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (34%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (29%) की अपेक्षा अधिक है।
6. परिवार के आधार पर प्राप्त आँकडों में पाया गया कि अधिकांशतःसंयुक्त परिवार की कुल 50% महिला उत्तरदाताओं द्वारा प्रपत्र भरा गया था जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (23%) की संख्या ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताआ (27%) की अपेक्षा कम है।
7. कार्यक्षेत्र के आधार पर प्राप्त आँकडों में पाया गया कि अधिकांशतः गैर कार्यशील कुल 43% महिला उत्तरदाताओं द्वारा प्रपत्र भरा गया था जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (18%) की संख्या ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (25%) की अपेक्षा कम है।

अतः स्पष्ट होता है कि अल्ट्रासाउंड तकनीक अपनाने से पहले रजिस्ट्रेशन प्रपत्र भरने वाली महिला उत्तरदाता अधिकांशतः मध्यम जाति, मध्यम वर्ग एवं स्नातक तक शिक्षा प्राप्त, हिन्दू धर्म, संयुक्त परिवार व गैर कार्यशील महिला उत्तरदाता हैं। अल्ट्रासाउंड तकनीक अपनाने से पहले महिला उत्तरदाताओं द्वारा रजिस्ट्रेशन प्रपत्र भरने वाली ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाता 67. 4% जबकि प्रपत्र न भरने वाली 32.6% महिला उत्तरदाता हैं, जबकि शहरी क्षेत्र की 85.41% महिला उत्तरदाताओं ने प्रपत्र भरा तथा 14.59% महिलाओं ने तकनीक पूर्व रजिस्ट्रेशन प्रपत्र नहीं भरा।

अल्ट्रासाउन्ड हेतु चयनित अस्पताल में कन्या भ्रूण हत्या एवं PC-PNDT एक्ट इत्यादि से संबन्धित जानकारी प्रदान किये जाने का तुलनात्मक विश्लेषण के आधार पर प्राप्त निष्कर्ष

1. आयु के आधार पर निष्कर्षप्राप्त होता है प्राप्त किअस्पताल में विभिन्न माध्यम से जानकारी प्राप्त करने में अधिकांशतः 30-35 आयु वर्ग की कुल 25% महिला उत्तरदाताओं में से शहरी क्षेत्र की महिला

उत्तरदाताओंकी संख्या (14%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (11%) से अधिक है।

2. जाति के आधार पर प्राप्त आंकडों में पाया गया कि अधिकांशतः मध्यम जाति की 32% महिला उत्तरदाताओं में से शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (16%) व ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (16%) समान है।
3. वर्ग के आधार के पर प्राप्त आँकडों के आधार पर पाया गया कि अधिकांशतःमध्यम वर्ग की कुल 49% महिला उत्तरदाताओं की संख्या में से शहरी क्षेत्र की महिलाउत्तरदाताओं की संख्या (24%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (25%) की अपेक्षा कम है।
4. शिक्षा के आधार पर प्राप्त आँकडों के आधार पर पाया गया कि अधिकांशतः स्नातक तक शिक्षा प्राप्त कुल 33% महिला उत्तरदाताओंमे से शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (15%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (18%) की अपेक्षा कम है।
5. धर्म के आधार पर प्राप्त आँकडों के आधार पर पाया गया कि अधिकांशतःहिन्दू धर्म की कुल 71% महिला उत्तरदाताओं में शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (35%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की (36%) अपेक्षा कम है।
6. परिवार के आधार पर प्राप्त आँकडों के आधार पर पाया गया कि संयुक्त परिवार की 61% महिला उत्तरदाताओं शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (27%) की संख्याग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (34%) की अपेक्षा कम है।
7. कार्यस्थितिके आधार पर प्राप्त आँकडों में पाया गया कि अधिकांशतः गैरकार्य–शीलकुल 49% महिला उत्तरदाताओं की संख्या में शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (18%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (31%) की अपेक्षा कम है।

अतः स्पष्ट होता है कि अल्ट्रासाउंड चयनित अस्पताल में कन्या भ्रूण हत्या एवं सम्बंधित नियमों अथवा अधिनियमों द्वारा जानकारी प्राप्त करने वाली महिला उत्तरदाताओं में से अधिकांशतः मध्यम जाति, मध्यम वर्ग एवं स्नातक तक शिक्षा प्राप्त, हिन्दू धर्म से संम्बंधित, संयुक्त परिवार व गैर कार्यशील महिला उत्तरदाता हैं।

आकृति–4

अल्ट्रासाउन्ड हेतु चयनित अस्पताल में कन्या भ्रूण हत्या एवं PC-PNDT अधिनियम इत्यादि से संबन्धित जानकारी प्रदान किये जाने का तुलनात्मक विश्लेषण

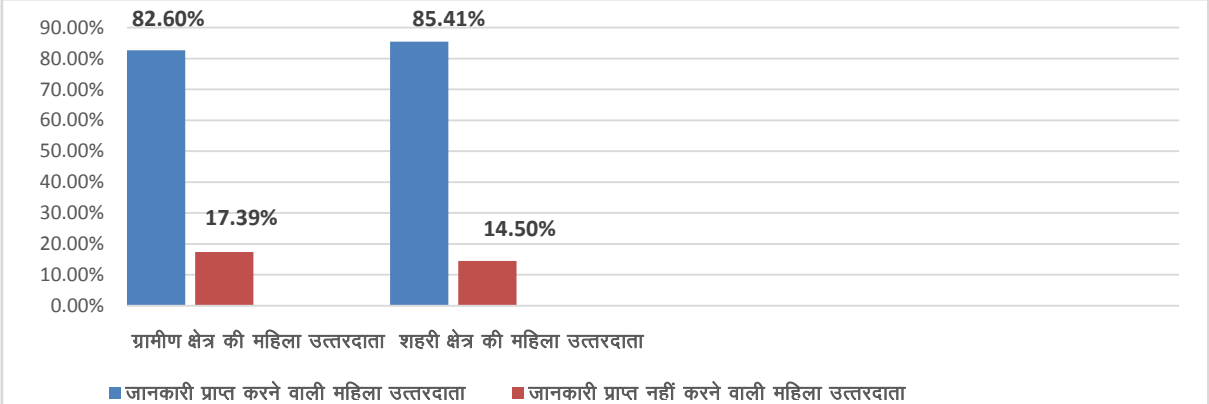

अतः उपरोक्त ग्राफ के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त होता है कि अल्ट्रासाउंड हेतु चयनित अस्पताल में कन्या भ्रूण हत्या एवं PC-PNDT एक्ट इत्यादि से संबन्धित जानकारीप्राप्त करने वाली ग्रामीण क्षेत्र की 82.6% महिला उत्तरदाता हैं जबकि 85.41% शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाता हैं।

महिलाओं द्वारा अल्ट्रासाउन्ड तकनीक अपनाने से पूर्व क्लीनिक रजिस्ट्रेशन के जाँच का तुलनात्मक विश्लेषण के आधार पर प्राप्त निष्कर्ष

1. आयु के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त होता है कि अल्ट्रासाउंड तकनीक अपनाने वाली महिला उत्तरदाताओंमें से अधिकांशतः रजिस्ट्रेशन की जाँच कराने वाली 30-35 आयु वर्ग की कुल 20% महिला उत्तरदाताओं में से शहरी क्षेत्रकी महिला उत्तरदाताओं (11%) की संख्याग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (9%) से अधिक है।
2. जाति के आधार पर पाया गया कि अधिकांशतः महिला उत्तरदाता (21%) मध्यम जाति से संम्बंधित हैं जिसमें से शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं(12%) की संख्याग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (9%) से अधिक है।
3. वर्ग के आधार के पर पाया गया कि अधिकांशतः महिला उत्तरदाता (37%) मध्यम वर्ग से संम्बंधित हैं जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओंकी संख्या (19%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (18%) से अधिक है।
4. शिक्षा के आधार पर पाया गया कि अधिकांशतः महिला उत्तरदाता स्नातकोत्तर तक शिक्षा प्राप्त महिला उत्तरदाता (24%) है जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं कीसंख्या (16%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (8%) की अपेक्षा अधिक है।
5. धर्म के आधार पर प्राप्त आंकडों में पाया गया कि अधिकांशतः महिला उत्तरदाता (50%) हिन्दु धर्म से

संम्बंधित हैं जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओंकी संख्या (26%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (24%) की अपेक्षा अधिक है।

6. परिवार के आधार पर प्राप्त आँकडों में पाया गया कि अधिकांशतः महिला उत्तरदाता (37%) संयुक्त परिवार से संम्बंधित हैं जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (15%) की संख्या ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (22%) की अपेक्षा कम है।
7. कार्यस्थितिके आधार पर प्राप्त आँकडों में पाया गया कि अधिकांशतः महिला उत्तरदाता (23%) कार्यशील हैं जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओंकी संख्या (19%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (4%) की अपेक्षा अधिक है।

अतः स्पष्ट होता है कि अल्ट्रासाउंड तकनीक अपनाने वाली अधिकांशतः महिला उत्तरदाताओं द्वारा अल्ट्रासाउंड तकनीक अपनाने से पहले क्लीनिक रजिस्ट्रेशन की जाँच कराने वाली महिला उत्तरदाता 30-35 आयु वर्ग, मध्यम जाति, मध्यम वर्ग,उच्च शिक्षा प्राप्त, संयुक्त परिवार व कार्यशील महिला उत्तरदाता हैं।अतः स्पष्ट होता है कि महिलाओं द्वारा अल्ट्रासाउंड तकनीक अपनाने से पहले क्लीनिक रजिस्ट्रेशन की जाँच करने वाली ग्रामीण क्षेत्र की 43.6% महिला उत्तरदाता हैं जबकि 60.4% शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाता हैं।

महिलाओं को अल्ट्रासाउन्ड तकनीक के समय क्लीनिक रजिस्ट्रेशन नम्बर प्रदान किए जाने के तुलनात्मक विश्लेषण के आधार पर प्राप्त निष्कर्ष

1. आयु के आधार पर प्राप्त आँकडों में पाया गया कि अस्पताल द्वारा महिलाओं को तकनीक अपनाते समय रजिस्ट्रेशन प्रदान किये जाने में अधिकांशतः30-35 आयु वर्ग कीमहिला उत्तरदाता (23%) की संख्या अधिक है जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (15%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (8%) की अपेक्षाकृत अधिक है।
2. जाति के आधार पर प्राप्त आँकडों में पाया गया कि इनमें अधिकांशतः महिला उत्तरदाता (32%) मध्यमजाति से संम्बंधित हैं जिनमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओंकी संख्या (18%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (14%) की अपेक्षाकृत अधिक है।
3. वर्ग के आधार के पर प्राप्त आँकडों में पाया गया कि अधिकांशतः महिला उत्तरदाता (48%) मध्यम वर्ग से संम्बंधित हैं जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (24%) व ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (24%) समान है।
4. शिक्षा के आधार पर प्राप्त आँकडों में पाया गया कि अधिकांशतः महिला उत्तरदाता स्नातकतक शिक्षा प्राप्त महिला उत्तरदाता (31%) है जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं(16%) की संख्याग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (15%) की अपेक्षाकृत अधिक है।
5. धर्म के आधार पर प्राप्त आंकडों से निष्कर्ष प्राप्त होता है कि अधिकांशतः महिला उत्तरदाता (69%) हिन्दू धर्म से संम्बंधित हैं जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (36%) की संख्या ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (33%) से अधिक है।
6. परिवार के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त होता कि अधिकांशतः महिला उत्तरदाता (58%) संयुक्त परिवार से संम्बंधित हैं जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओंकी संख्या (26%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (32%) की अपेक्षाकृत कम है।
7. कार्यस्थितिके आधार पर प्राप्त आंकडों सेनिष्कर्ष प्राप्त होता कि अधिकांशमहिलायें गैर- कार्यशील (50%) हैं जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओंकी संख्या (21%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (29) की अपेक्षाकृतकम है।

अतः स्पष्ट होता है कि अस्पताल द्वारा अल्ट्रासाउंड तकनीक अपनाने से पहले रजिस्ट्रेशन नम्बर प्राप्त करने वाली अधिकांश महिला उत्तरदाता 30-35 आयु वर्ग, मध्यम जाति, मध्यम वर्ग, उच्च शिक्षा प्राप्त, हिन्दू धर्म, संयुक्त परिवार व गैर-कार्यशील महिला उत्तरदाता हैं।

आकृति-5

महिलाओं को अल्ट्रासाउन्ड तकनीक अपनाते समय रजिस्ट्रेशन नम्बर प्रदान किये जाने का तुलनात्मक विश्लेषण

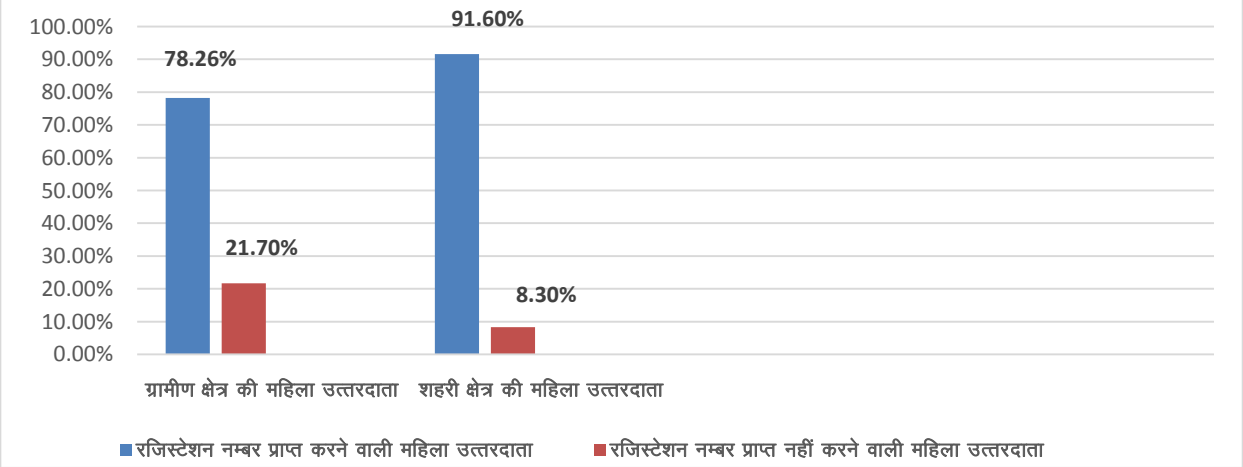

अतः उपरोक्त ग्राफ से स्पष्ट होता है कि महिलाओं को अल्ट्रासाउंड तकनीक अपनाने से पहले रजिस्ट्रेशन नम्बर प्रदान किये जाने में ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओंकी संख्या 78.26% हैजबकि शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या 91.6% है।

महिलाओं में PC-PNDT एक्ट में संसोधन के प्रतिविचारों के अध्ययन के आधार पर प्राप्त निष्कर्ष

1. आयु के आधार पर प्राप्त आँकडों से स्पष्ट होता है कि PC-PNDT एक्ट के प्रति 25-30 आयु वर्ग की अधिकांशतः महिला उत्तरदाता (8%) संतुष्ट हैं जबकि 25-30 आयु वर्ग की अधिकांशतः (8%) महिलायें असंतुष्ट हैं जबकि 30-40 आयु वर्ग की महिलायें PC-PNDT एक्ट में संसोधन इत्यादि के विषय में उदासीन हैं।
2. जाति के आधार पर प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर पाया गया कि उच्च एवं मध्यम जाति अधिकांशतः महिला उत्तरदाता (क्रमशः 8% एवं 8%) इस अधिनियम से संतुष्ट हैं जबकि मध्यम जाति कि अधिकांश महिला उत्तरदाता (7%) इस अधिनियम से असंतुष्ट हैं तथा मध्यम जाति कि अधिकांश महिला उत्तरदाता (28%) इस अधिनियम के प्रति उदासीन हैं।
3. वर्ग के आधार पर प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर पाया गया कि अधिकांशतः मध्यम वर्ग की अधिकांश महिला उत्तरदाता (11%) इस अधिनियम से संतुष्ट हैं तथा मध्यम वर्गकि अधिकांश महिला उत्तरदाता (8%) इस अधिनियम से असंतुष्ट हैं तथा मध्यम वर्ग किअधिकांश महिला उत्तरदाता (31%) इस अधिनियम के विषय में उदासीन हैं।
4. शिक्षा के आधार पर प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर पाया गया कि अधिकांशतः स्नातकोत्तर तक शिक्षा प्राप्त महिला उत्तरदाता (7%) इस अधिनियम से संतुष्ट हैं तथा स्नातकोत्तर तक शिक्षा प्राप्त अधिकांश महिला उत्तरदाता (6%) इस अधिनियम से असंतुष्ट हैं जबकि स्नातक तक शिक्षा प्राप्त अधिकांश महिला उत्तरदाता (29%) इस अधिनियम के प्रति उदासीन हैं।
5. धर्म के आधार पर प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर पाया गया कि अधिकांशतःहिन्दू धर्म की महिला उत्तरदाता (16%) इस अधिनियम के प्रति संतुष्ट (16%), 10% महिला उत्तरदाता असंतुष्ट जबकि हिन्दू धर्म की अधिकांश महिला उत्तरदाता (60%) इस अधिनियम के प्रति उदासीन हैं।
6. परिवार के आधार पर प्राप्त आंकड़ों के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि अधिकांशतःएकाकी परिवार की महिला उत्तरदाता (9%) इस अधिनियम के प्रति संतुष्ट हैं तथा एकाकी परिवार की अधिकांश महिला उत्तरदाता (8%) इस अधिनियम केप्रति असंतुष्ट हैं जबकि संयुक्त परिवार की अधिकांश महिला उत्तरदाता (58%) इस अधिनियम के प्रति उदासीन हैं।
7. कार्यस्थितिके आधार पर प्राप्त आंकडों के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त होता कि अधिकांशतः कार्यशील महिला उत्तरदाता (10%) इस अधिनियम के प्रति संतुष्ट हैं तथा अधिकांश महिला उत्तरदाता (10%) इस अधिनियम के प्रति असंतुष्ट हैं जबकि गैर-कार्यशील अधिकांश महिला उत्तरदाता (50%)इस अधिनियमके प्रति उदासीन हैं।

अतः स्पष्ट होता है कि महिलाओं में PC-PNDT एक्ट में संसोधन के प्रति ग्रामीण क्षेत्र की 14% महिला उत्तरदातासंतुष्ट हैं, 8% असंतुष्ट तथा 78% उदासीन हैं जबकि शहरी क्षेत्र की 24% महिला उत्तरदातासंतुष्ट हैं, 18% असंतुष्ट तथा 58% अनभिज्ञ हैं।

महिलाओं में PC-PNDT एक्ट के प्रति जागरुकता अभियानों व योजनाओं के अध्ययन केतुलनात्मक विश्लेषणके आधार पर प्राप्त निष्कर्ष

1. आयु के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त होता है कि 20-25 आयु वर्ग अधिकांशमहिला उत्तरदाता (10%) PC-NDT अधिनियम के प्रति जागरुकता अभियानों व योजनाओं आदि के विषय में जागरुक हैं जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (6%) की संख्याग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (4%) से अधिक है।
2. जाति के आधार पर प्राप्त आँकडों में पाया गया कि मध्यम जाति की आधकांशमहिला उत्तरदाता (11%) जागरुक हैं जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (6%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (5%) से अधिक है।
3. वर्ग के आधार पर प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर पाया गया कि मध्यम वर्गकी अधिकांश महिला उत्तरदाता (13%) इस अधिनियम की योजनाओं केप्रति जागरुक हैं जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (9%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (4%) से अधिक है।
4. शिक्षा के आधार पर प्राप्त आँकडों में पाया गया कि स्नातकोत्तर तक शिक्षा प्राप्त अधिकांश महिला उत्तरदाता (9%) योजनाओं के प्रति जागरुक हैं जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (6%) की संख्या ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (3%) से अधिक है।
5. धर्म के आधार पर प्राप्त आंकडों में पाया गया कि हिन्दू धर्म की अधिकांश महिला उत्तरदाता (19%) इस अधिनियम के प्रति योजनाओं केप्रति जागरुक हैं जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (12%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (7%) से की अपेक्षा अधिक जागरुक हैं।
6. परिवार के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त आंकडों में पाया गया कि एकाकी परिवार की अधिकांश महिला उत्तरदाता (12%) इस अधिनियम योजनाओं व अभियानों क`प्रति जागरुक हैं जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाता की संख्या (10%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (2%) से अधिक है।

7. कार्य स्थिति के आधार पर प्राप्त आंकडों के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि अधिकांश कार्यशील महिला उत्तरदाता (14%) योजनाओं के प्रति जागरुक हैं जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (9%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (5%) से अधिक हैं।

अतः उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि PC-PNDT अधिनियम के प्रति जागरुकता अभियानों व योजनाओं में 20-25 आयु वर्ग, मध्यम जाति, मध्यम वर्ग, उच्च शिक्षा प्राप्त, हिन्दू धर्म, एकाकी परिवार व कार्यशील महिला उत्तरदाता हैं। अतः स्पष्ट होता है कि महिलाओं में PC-PNDT अधिनियम संम्बंधी अभियानों व योजनाओं के प्रति जागरुक महिला उत्तरदाताओं में 16% ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाता जागरुक हैं जबकि शहरी क्षेत्र की 28% महिला उत्तरदाता जागरुक हैं।

महिलाओं में PC-PNDT अधिनियम के उल्लंघन करने पर मिलनेवाले दण्ड प्रावधान के प्रति जागरुकता केतुलनात्मक विश्लेषण का अध्ययन

1. आयु के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त होता है कि अधिकांशतः 25-30 आयु वर्ग अधिकांशतः महिला उत्तरदाता (11%) PC-PNDT अधिनियम के उल्लंघन करने पर मिलने वाले दण्ड प्रावधान के प्रति जागरुक हैं जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (6%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (5%) की अपेक्षा अधिक है।
2. जाति के आधार पर प्राप्त आँकडों के आधार पर पाया गया आधकांशतः मध्यम जाति की महिला उत्तरदाता (14%) सजा के प्रावधान के प्रति जागरुक हैं जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (8%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (6%) से अधिक है।
3. वर्ग के आधार पर प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर पाया गया कि अधिकांशतः मध्यम वर्ग की महिला उत्तरदाता (19%) दण्ड प्रावधान के प्रति जागरुक हैं जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (12%) की संख्याग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (7%) से अधिक है।
4. शिक्षा के आधार पर प्राप्त आँकडों में पाया गया कि अधिकांशतः स्नात्तकोत्तर तक शिक्षा प्राप्त महिलायें (11%) दण्ड प्रावधान के प्रति जागरुक हैं जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (7%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (4%) से अधिक है।
5. धर्म के आधार पर प्राप्त आंकडों में पाया गया कि अधिकांशतः हिन्दू धर्म की महिला उत्तरदाता (19%) दण्ड प्रावधान के प्रति जागरुक हैं जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (13%) की संख्या ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (6%) से अधिक है।
6. परिवार के आधार पर प्राप्त आंकडों से निष्कर्ष प्राप्त होता है कि अधिकांशतः एकाकी परिवार की महिला उत्तरदाता (15%) दण्ड प्रावधान के प्रति जागरुक हैं जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (13%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (2%) से अधिक है।
7. कार्य स्थिति के आधार पर प्राप्त आंकडों से निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि अधिकांश कार्यशील महिला उत्तरदाता (17%) दण्ड प्रावधान के प्रति जागरुक हैं जिसमें शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की संख्या (11%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (6%) से अधिक है।

अतः उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि PC-PNDT अधिनियम के उल्लंघन करने पर मिलने वाले दण्ड प्रावधान के प्रति जागरुक महिलाओं में अधिकांश महिला उत्तरदाता मध्यम जाति, मध्यम वर्ग, स्नात्तकोत्तर तक शिक्षा प्राप्त, हिन्दू धर्म, एकाकी परिवार व कार्यशील महिला उत्तरदाता हैं। धर्म की केवल 3% महिला उत्तरदाता जागरुक हैं।

आकृति-6
महिलाओं में PC-PNDT अधिनियम के उल्लंघन करने पर मिलने वाले दण्ड प्रावधान के प्रति जागरुकता का तुलनात्मक विश्लेषण

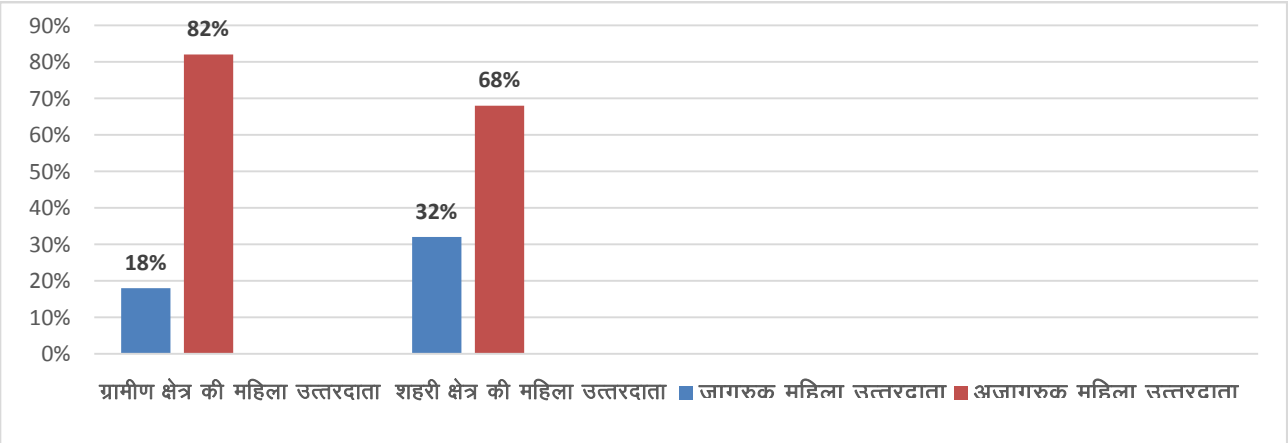

अतः उपरोक्त ग्राफ से स्पष्ट होता है कि महिलाओं में PC-PNDT अधिनियम के उल्लंघन करने पर मिलने वाले दण्ड प्रावधान के प्रति जागरुक महिला उत्तरदाताओं में 18% ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाता

जागरुक हैं जबकि 32% शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाता दण्ड प्रावधान के प्रति जागरुक हैं।

तुलनात्मक अध्ययन के आधार पर प्राप्त अध्ययन से प्राप्त महत्वपूर्ण निष्कर्ष निम्नलिखित हैं:–

1. PC-PNDT एक्ट के प्रति जागरुक महिला उत्तरदाताओं में अधिकांशतः मध्यम जाति, मध्यम वर्ग, उच्च शिक्षा प्राप्त तथा हिन्दू धर्म, एकल परिवार व कार्यशील महिला उत्तरदाता हैं। मुस्लिम धर्म से संबंधित केवल 5% महिला उत्तरदाता इस अधिनियम के प्रति जागरुक हैं।
2. अल्ट्रासाउंड तकनीक को अपनाने वाली अधिकांशतः महिला उत्तरदाता मध्यम जाति, मध्यम वर्ग, उच्च शिक्षित, संयुक्त परिवार व गैर–कार्यशील महिला उत्तरदाता हैं।
3. अल्ट्रासाउंड तकनीक को अपनाने हेतु चयनित अस्पताल में से सरकारी अस्पताल का चुनाव करने वाली अधिकांश महिला उत्तरदाता मध्यम जाति, मध्यम वर्ग, हिन्दू धर्म, संयुक्त परिवार व गैर–कार्यशील हैं जबकि निजी अस्पताल का चुनाव करने वाली अधिकांश महिला उत्तरदाता शहरी क्षेत्र, मध्यम जाति, मध्यम वर्ग, हिन्दू धर्म, संयुक्त परिवार व कार्यशील हैं।
4. महिला उत्तरदाताओं द्वारा अल्ट्रासाउंड तकनीक को अपनाने में निर्णायक भूमिका में शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (15%) इस तकनीक को अपनाने हेतु निर्णय लेने में स्वयं सक्षम हैं जबकि ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (9%) शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की अपेक्षा स्वयं निर्णय लेने में कम सक्षम हैं।
5. अल्ट्रासाउंड तकनीक अपनाने से पहले रजिस्ट्रेशन प्रपत्र भरने वाली अधिकांश महिला उत्तरदाता शहरी क्षेत्र, मध्यम जाति, मध्यम वर्ग, स्नातक तक शिक्षित, हिन्दू धर्म, संयुक्त परिवार व गैर–कार्यशील हैं।
6. अल्ट्रासाउंड हेतु चयनित अस्पताल में कन्या भ्रूण हत्या एवं संम्बधित नियमों अथवा अधिनियमों द्वारा जानकारी प्राप्त करने वाली महिला उत्तरदाताओं से अधिकांशतः मध्यम जाति, मध्यम वर्ग, उच्च शिक्षा प्राप्त, हिन्दू धर्म, संयुक्त परिवार व गैर–कार्यशील हैं।
7. अल्ट्रासाउंड तकनीक को अपनाने वाली अधिकांशतः महिला उत्तरदाताओं द्वारा अल्ट्रासाउंड तकनीक अपनाने से पहले रजिस्ट्रेशन की जाँच कराने वाली महिला उत्तरदाता 30–35 आयु वर्ग, मध्यम जाति, मध्यम वर्ग, उच्च शिक्षा प्राप्त परिवार, संयुक्त परिवार व कार्यशील हैं।
8. अल्ट्रासाउंड तकनीक अपनाने से पहले रजिस्ट्रेशन नम्बर प्राप्त करने वाली अधिकांश महिला उत्तरदाता 30-35 आयु वर्ग, मध्यम जाति, मध्यम वर्ग, स्नातक तक शिक्षा प्राप्त, हिन्दू धर्म, संयुक्त परिवार व गैर कार्यशील हैं।
9. महिलाओं में PC-PNDT एक्ट में संसोधन के प्रति ग्रामीण क्षेत्र की 14% महिला उत्तरदाता संतुष्ट हैं, 8% असंतुष्ट तथा 78% उदासीन हैं जबकि शहरी क्षेत्र की 24% महिला उत्तरदाता संतुष्ट हैं, 18% असंतुष्ट तथा 58% अनभिज्ञ हैं।
10. PC-PNDT अधिनियम के प्रति जागरुकता अभियानों व योजनाओं के प्रति जागरुक महिला उत्तरदाताओं में 20-25 आयु वर्ग, मध्यम जाति, मध्यम वर्ग, उच्च शिक्षा प्राप्त, हिन्दू धर्म, एकाकी परिवार व कार्यशील महिला उत्तरदाता हैं।
11. PC-PNDT अधिनियम के उल्लंघन करने पर मिलने वाले दण्ड प्रावधान के प्रति जागरुक महिला उत्तरदाताओं में से शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाता (32%) ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं (18%) से अधिक जागरुक हैं।

अतः उपरोक्त अध्ययन से निष्कर्ष प्राप्त होता है कि अल्ट्रासाउंड तकनीक अपनाने, PC-PNDT अधिनियम के प्रति जागरुक व जागरुकता अभियानों, निजी अस्पताल का चयन, क्लीनिक रजिस्ट्रेशन की जाँच व रजिस्ट्रेशन नम्बर प्राप्त करने एवं PC-PNDT अधिनियम के उल्लंघन करने पर मिलने वाले दण्ड के प्रति जागरुक महिला उत्तरदाताओं में शहरी क्षेत्र की महिला उत्तरदाता जिसमें से अधिकांश मध्यम वर्ग, मध्यम जाति, उच्च शिक्षित, हिन्दू धर्म से संम्बंधित महिला उत्तरदाताओं की संख्या ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओं की अपेक्षाकृत अधिक है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. *Bhaktwani, Anita 2012 :"The PC-PNDT Act in a nutshell", Advocate, Mumbai High Court, Mumbai, Maharashtra, India.pp. 133-134*
2. *Deshpande, Sonal R. and Pragati G Rathod and Mankar and Narlawar 2016 : "Awareness and perception regarding PC-PNDT Act and gender preference among mothers of Undr-five attending immunization clinic", Government Medical College, Nagpur, Maharashtra, India.*
3. *Khatri, Mahendra and Rekha Acharya and Gaurav Sharma 2012 : "Knowledge, Attitude and Practices (KAP) Related to Pre-Conception and Pre-Natal Diagnostic Techniques (PC & PNDT) Act amont the Antenatal Women in Bikaner, Department of Community Medicine, S.P. Medical College, Bikaner, Rajasthan, India.*
4. *Patnaik, A Murli Mohan and Gauri Shankar Kejriwal 2012 : "A perspective on the PC-PNDT Act", MS Medical College, Nellimarla (Vizianagaram), Andhra Pradesh, India.pp. 137-140.*
5. *Roy, Archak and Romy Biswas 2017 : "A Study on Gender Prederence and Awareness Regarding Prenatal Sex Determination among Antenatal Women in a Rural Area of Darjeeling District, West Bengal, India", North Bengal Medical College, Darjeeling, West Bengal, India.*
6. *Sharma, Sushma 2016: "An Overview on Pre-Natal Diagnostic Techniques Act and Implementation", Assistant Professor in Law Sikkim Government Law College, Burtuk, Gangtok East Sikkim.pp. 62-68.*
7. *Sharmila, Vijayan and T. Aun Babu and Davendra Singh 2016 : "Knowledge, awareness and attitude about prenatal sex determination, pre-conception and pre-natal diagnostic techniques act among pregnant women in the South Indian union territory of Puducherry", Indira Gandhi Medical College and Research Institute, Puducherry, India. pp. 3470-3474.*